ISSN 0973-7626
RNI : UPBIL/2006/16107

SAMAJ VIGYAN SHODH PATRIKA

समाज विज्ञान शोध पत्रिका

The Half-Yearly Research Journal of Social Sciences

UGC APPROVED RESEARCH JOURNAL

RESEARCH JOURNAL NO. 48215

Dr. Virendra Sharma, D.Litt.
Founder

Prof. M.M. Semwal
Guest Editor

Dr. Beena Rustagi
Managing Editor

Dr. Ashok Kumar Rustagi
Chief Editor

Vol. 2, No. L, Oct. 2021 To Mar. 2022

SAMAJ VIGYAN SHODH PATRIKA

समाज विज्ञान शोध पत्रिका

Vol. 2, No. L

October 2021 To March 2022

CONTENTS

EDITORIAL

- सम्पादकीय- डॉ. ए. के. रुस्तगी - 9

ARTICLES

01. Urban Local Government and Capacity Building : A Study from a Theoretical Perspective / Dr. Manash Chakrabaty- 11
02. A Comparative Study on Traditional Marketing and Digital Marketing / Paritosh Sharma, Dr. Manish Tandon, Dr. Amit maheshwari- 19
03. बदलते दौर में थारू समाज : एक विश्लेषण (जनपद लखीमपुर खीरी के संदर्भ में)/ डॉ0 आशारानी- 24
04. १८५७ में शेरकोट का घेरा और बुखारा का युद्ध : एक विहंगम दृष्टि/ डॉ0 कुलदीप कुमार त्यागी- 32
05. Huxley's Faith in Mediation and Pacifism/ Dr. Mukesh Babu- 39
06. योग शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का अध्ययन/ डॉ0 देवेन्द्र सिंह- 45
07. विष्णु पुराण में भारतीय संस्कृति/ डॉ0 अंजु लता- 52
08. Quest for Freedom and Individuality by Bapsisidhwa's Female Characters / Monika Prajapati, Dr. Shubha Vishnoi- 57
09. भारत-नेपाल सम्बन्ध : बदलते सरोकार/ डॉ0 फूलसिंह गुर्जर- 62
10. आधुनिक भारत में बाल श्रम का एक महत्वपूर्ण अध्ययन/ कु0 रूचि पाल- 68
11. सहकारी संघवाद : भारत के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन/ डॉ0 निशा गोयल- 72
12. नेहरू-युग में संसदीय लोकतंत्र का विकास- एक संक्षिप्त विवेचन/ नन्हे, डॉ0 मनमीत कौर- 79
13. भारतीय पूंजी बाजार के विकास में बैंकिंग तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं का वित्तीय सुधारों में योगदान/ डॉ0 मनन कौशल- 85
14. Indian Foreign Policy and Asean : History and Importance / Priyanka, Dr. Manmeet Kaur- 90
15. Pegasus Espionage Case and Government of India / Dr, Sayyad Yasin Bhai Gulab Bhai, Prof. Telore Babasaheb Haridas- 96
16. मानव-जीवन में पर्यावरण का महत्त्व/ डॉ0 मनवीर सिंह- 100
17. Impact on Hand Steadiness Among Women Cricketers of Kashmir with Physical Training Program / Alzabath Mumtaz, Dr. Dharmendra Singh- 105

: वर्तमान परिवेश में गाँधी
: डॉ. हुकमाराम सुथार
: संपादक
: **वान्या पब्लिकेशंस**
3A/127 आवास विकास हंसपुरम्, नौबस्ता,
कानपुर - 208 021
Email : vanyapublicationskanpur@gmail.com
info@vanyapublications.com
Website : www.vanyapublications.com
Mob. : 9450889601, 7309038401
: **2021**
: **725/-**
: स्टू ग्राफिक्स, हनुमन्त विहार, नौबस्ता, कानपुर
: गौरव शुक्ल, कानपुर
: सार्थक प्रिंटर्स, नौबस्ता, कानपुर

अनुक्रम

1. वैश्विक शान्ति व्यवस्था व द्वन्द–समापन का गाँधीयन मॉडल: अहिंसा दर्शन (समसामयिक परिप्रेक्ष्य में)
डॉ. अशोक कुमार गुप्ता
2. वैश्वीकरण में गाँधीवादी अर्थशास्त्र की प्रासंगिकता
डॉ. हुकमाराम सुथार
3. गाँधी दर्शन में विश्व पर्यावरण की संकल्पना
डॉ. गोपाल सिंह
4. गाँधीजी के महिलाओं के प्रति विचार
डॉ. मंजु लाडला
5. गाँधी चिन्तन में ट्रस्टीशिप
पवन कुमार भवरिया
6. भारतीय स्वतन्त्रता एवं एकीकरण में महात्मा गाँधी की भूमिका
डॉ. गोविन्द सुथार
7. गाँधी जी का जीवन और पर्यावरण
आशीस गोदारा
8. गाँधी दर्शन एवं धर्म
डॉ. महेश कुमार
9. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधीजी के साथ महिलाओं की भूमिका। (असहयोग आंदोलन के विशेष संदर्भ में)
मनोज कुमार
10. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी द्वारा अहिंसा का व्यवहारिक प्रयोग
डॉ. गीता चौहान
11. महावीर स्वामी एवं महात्मा गाँधी : अहिंसा यात्रा
श्री डायालाल सांखला
12. गाँधी दर्शन में स्वराज्य की अवधारणा
अशोक कुमार तंवर
13. गाँधी चिंतन के परिप्रेक्ष्य में स्वस्थ समाज निर्माण
डॉ. सीमा छाजेड़ (दफ्तरी)

14. लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण में महात्मा गाँधी का योगदान
डॉ. कंवराज सुथार
15. गांधी और कस्तूरबा
डॉ. आरती
16. गाँधी दर्शन में ग्राम स्वराज की राजनीतिक अवधारणा
डॉ. दुलारी राम मीना
17. गाँधी एवं धर्म
डॉ. निशा गोयल
18. महात्मा गाँधी के आर्थिक विचार एवं वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता
लक्ष्मण सिंह चारण
19. गाँधीवाद की वैचारिक आलोचना और साहित्य में प्रभाव
डॉ. ललित कुमार
20. हिन्द स्वराज एवं इसकी वर्तमान प्रासंगिकता
श्री गणपतसिंह
21. समाज के अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता
मोना राठौड़
22. स्वदेशी और आत्मनिर्भरता : गाँधी जी के संदर्भ में
डॉ. प्रतिमा भारद्वाज
23. परमाणु रै पलकां बिच्चै
आईदान सिंह भाटी
24. सत्याग्रह–एक अहिंसात्मक हथियार
श्री फूलसिंह गुर्जर
25. महात्मा गाँधी और जैन दर्शन
श्री मांगीलाल जैन
26. गाँधीजी के प्रेरणास्रोत
श्री मुकेश जैन
27. गाँधी दृष्टि, दिशा और भावी भारत : एक विश्लेषण
डॉ. अनिता चौधरी
28. महात्मा गाँधी की कृषि संबंधित विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता
श्री हरदान लोयल

1

वैश्विक शान्ति व्यवस्था व द्वन्द-समापन का गाँधीयन मॉडल : अहिंसा दर्शन (समसामयिक परिप्रेक्ष्य में)

डॉ. अशोक कुमार गुप्ता

"अहिंसा परमोधर्मः, धर्महिंसा तथैव च।"

अहिंसा पर प्रमुख "कोटेशन"

भगवान महावीर के अनुसार

1. "अहिंसा मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है।"
2. "सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान अहिंसा है।"
3. "शांति और आत्म नियंत्रण अहिंसा है।"

महात्मा गाँधी के अनुसार

4. "मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है, सत्य मेरा भगवान है और अहिंसा उसे पाने का साधन है।"
5. "अहिंसा परम–श्रेष्ठ मानव धर्म है, पशु–बल से वह अनंत गुना महान और उच्च है।"
6. "अहिंसा ही धर्म है, यही जिन्दगी का एक रास्ता है।"
7. "नम्रता की चरम सीमा का नाम ही तो अहिंसा है।"

विनोबा भावे के अनुसार

8. "अनेकों को जो एक रखती है, भेदों में से अभेद को ढूंढती है, वही अहिंसा है।"

वल्लभ भाई पटेल के अनुसार

9. "अहिंसा को विचार, शब्द और कार्य में किया जाना चाहिए, हमारी अहिंसा का माप हमारी सफलता का माप होता है।"

वेदव्यास जी के अनुसार

10. "अहिंसा परम धर्म है, अहिंसा परम संयम है,
अहिंसा परम दान है तथा अहिंसा परम यज्ञ है,
अहिंसा परम फल है, अहिंसा परम मित्र है, और
अहिंसा परम सुख है।"